

रूस-चीन संयुक्त नौसेना अभ्यास

हाल ही में रूस और चीन ने [पूरवी चीन सागर](#) में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास आरंभ किया है।



इस अभ्यास के प्रमुख बटु:

- इसमें फायरिंग तथा पनडुब्बी रोधी अभ्यास शामिल हैं।
- इस अभ्यास का मुख्य लक्ष्य रूसी संघ और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के बीच नौसैनिक सहयोग को मज़बूत करना और [एशिया प्रशांत क्षेत्र](#) में शांति तथा स्थिरता बनाए रखना है।
- यह संयुक्त अभ्यास समुद्री सुरक्षा खतरों का संयुक्त रूप से जवाब देने के लिये दोनों पक्षों के दृढ़ संकल्प और क्षमता का प्रदर्शन करने तथा चीन-रूस व्यापक नए युग की रणनीतिक समन्वय साझेदारी को और बेहतर करने के लिये नरिदेशित किया जाता है।
- रूस और चीन ने भी वगित एक वर्ष में लगातार कई सैन्य अभ्यास किये हैं, इसके अंतर्गत मई 2022 में दोनों देशों ने परमाणु-सक्षम बमवर्षकों(bombers) की उड़ान का परीक्षण किया था।
- इसके बाद सितंबर 2022 में एक व्यापक संयुक्त अभ्यास किया गया जिसके अंतर्गत 2,000 से अधिक चीनी सैनिक, सैकड़ों सैन्य वाहन, लड़ाकू विमान और युद्धपोत शामिल थे।

चीन और रूस के साथ भारत का अभ्यास:

- चीन:
 - [हैंड इन हैंड अभ्यास](#):

- इसका उद्देश्य संयुक्त योजना का अभ्यास करना और अर्द्ध-शहरी इलाकों में आतंकवाद वरिधी अभियानों का संचालन करना है ।

■ रूस:

◦ **अभ्यास इंदर (INDRA):**

- यह अभ्यास अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी समूहों के खिलाफ एक संयुक्त बल द्वारा **संयुक्त राष्ट्र** के शासनादेश के तहत **आतंकवाद वरिधी अभियान** के संचालन में मदद करेगा ।
- इस सैन्य अभ्यास की शुरुआत वर्ष 2003 में की गई थी, जसि दोनों देशों के बीच बारी-बारी से **द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास** के रूप में आयोजित किया गया था ।
 - हालाँकि पहला संयुक्त त्रि-सेवा अभ्यास (Tri-Services Exercise) वर्ष 2017 में आयोजित किया गया था ।

◦ **अभ्यास TSENTR:**

- अभ्यास **TSENTR 2019**, बड़े पैमाने पर अभ्यास की वार्षिक शृंखला और रूसी सशस्त्र बलों के वार्षिक प्रशिक्षण चक्र का हिस्सा है ।
- इस शृंखला में क्रमिक रूप से **चार प्रमुख रूसी परचालन रणनीतिक कमानों (commands)** यानी वोस्तोक (पूर्व), ज़ापद (पश्चिम), TSENTR (केंद्र) और कवकाज़ (दक्षिण) के माध्यम से आयोजित होती है ।

स्रोत: द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/russia-china-joint-naval-drills>

